देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

शानदार 31वां वर्ष

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

नवंबर-2024

न्यूज मैग्जीन

मूल्य ₹25

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी-2024

ऑस्ट्रेलिया में घमासान के लिए तैयार खुद मुश्किल में फंसी टीम इंडिया

रानी रामपाल ने हॉकी को कहा अलविदा

मप्र सरकार अब खेल पत्रकारों को भी अवार्ड देगी : खेल मंत्री

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स खेल अवार्ड से सम्मानित हुईं देश की 35 खेल हस्तियां

खेल अवॉर्ड की झलकियां सेंटर पेज...

Website: nationalsportstimes.org

स्पोर्ट्स न्यूज वेब पोर्टल

आरएनआई नंबरः 69917/94 डाक पंजीयन म.प्र. / भोपाल / 607 / 2024-26 / 1 तारीख को प्रकाशित / डाक पोस्टिंग 5 तारीख

Email: nationalsportstimes@yahoo.com, nationalsportstimes@gmail.com

पंजीयन संख्या (आरएनआई): 69917/94, डाक पंजी. न. मप्र/भोपाल/607/2024-26

■ वर्ष-31 ■ अंक-5 ■ क्रमांक-288 ■ नवंबर-2024 ■ मूल्य-25 रूपये

संपादकीय मंडल

प्रधान संपादक	:	इन्द्रजीत मौर्य
कार्यकारी संपादक	:	सुरेश कुमार
प्रबंधक	:	मयूरी मौर्य
विज्ञापन प्रबंधक	:	अजय मौर्य
विज्ञापन सहायक	:	रामेश्वर भार्गव
डिजाइनिंग	:	सुरेन्द्र डहारे
फोटो जर्नलिस्ट	:	मनीष शुक्ला
कार्टूनिस्ट	:	वीरेंद्र कुमार ओगले

सलाहकार संपादक

- अरुणेश्वर सिंहदेव
- अरुण भगोलीवाल
- आशीष पाण्डे
- शांति कुमार जैन
- समीर मिरीकर
- सुशील सिंह ठाकुर
- राजीव सक्सेना
- शंकर मूर्ति

विशेष संवाददाता / समीक्षक

अरुण अर्णव, अनिल वर्मा, हरेंद्र नागेश साहू, हरीश हर्ष, चरनपालसिंह सोबती, वीरेन्द्र शुक्ल, सरिता अरगरे, मोहन द्विवेदी, मो. ईशाउद्दीन, धर्मेश यशलाहा, दामोदर आर्य, डॉ. मुनीष राणा, प्रशांत सेंगर, सुदेश सांगते, डॉ. प्रशांत मिश्रा, विजय रांगणेकर, संजय बेनर्जी, अमरनाथ, मो. अफरोज।

संपादकीय कार्यालय

बी-10, छत्रपति नगर, अयोध्या बायपास, भोपाल
फोन : 0755-4218892,
मोबाइल: 094250-25727, 8349994166

पंजीयन कार्यालय : ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल, मप्र-462023,

E-Mail: nationalsportstimes@Yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोटो स्रोतः इंटरनेट, सोशल मीडिया, अखबार एवं ब्यूरो कार्यालय

ब्यूरो कार्यालय

इंदौर, उज्जैन, नागदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, बुरहानपुर, धार, जबलपुर, ग्वालियर, दतिया, रीवा, सतना, खण्डवा, खरगोन, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, इटारसी, रतलाम, शिवपुरी, ललितपुर, झाँसी, नागपुर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंबई, रत्नागिरी, कोलहापुर, पूना, जलगाँव, दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, लुधियाना, जालंधर, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिर्जापुर, जयपुर, पटना, नैनीताल, देहरादून, कुमाऊ, गाजियाबाद, एंगुल (उड़ीसा), ऊना, शिमला, भुवनेश्वर।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक इन्द्रजीत मौर्य द्वारा सुलेख आफसेट प्लाट नं. 150, एल-5, मनोरमा काम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित तथा ई-197, मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, राज होम्स कॉलोनी, भोपाल से प्रकाशित। संपादक इन्द्रजीत मौर्य।

खेल पत्रिका में प्रकाशित लेखों की जिम्मेदारी लेखक की है। प्रकाशक एवं संपादक का लेखक से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।

11 भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट सीरिज

अचानक टीम आउट ऑफ फॉर्म कैसे हो गई?

अंदर के पन्नों पर

महिला क्रिकेट में बदलाव का दौर	15
विश्व विजेता बनी न्यूजीलैंड	17
चैंपियंस ट्रॉफी खेलना एक सवाल	19
घरेलू क्रिकेट की शुरूआत	21
रानी रामपाल का संन्यास	23
आईओए की अंदरूनी कलह	25
भारत की तीनों टीम कटघरे में	33
फुटबाल राउंड अप	34
ब्रिटेन बना चैंपियन	36
बिहार में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 11 नवंबर से	38
सबसे महंगे हरमनप्रीत	40
शटल की उड़ान	42

छपते-छपते

अब टॉप्स में इंट्री नहीं होगी आसान खिलाड़ियों की छंटनी भी होगी

भारतीय खिलाड़ियों को पेरिस ओलंपिक में वह सफलता हासिल नहीं हुई जिसकी उनसे उम्मीद की गई थी। कई दावेदार मेडल हासिल नहीं कर सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सरकार ने अपनी स्कीम में भी बदलाव का फैसला किया है। खिलाड़ियों की हर डिमांड को नहीं माना जाएगा। इसके लिए बनाए गए नियम सख्त किए जाएंगे।

भारतीय सरकार की TOPS (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) के तहत खिलाड़ियों को आर्थिक तौर पर पूरा सहयोग मिलता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस ओलंपिक के बाद अब खिलाड़ियों के लिए इस लिस्ट का हिस्सा बनना आसान नहीं होगा। इस स्कीम में शामिल होने के लिए तय किए गए मानकों का स्तर बढ़ाया जाएगा। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बैठक में इस बारे में चर्चा की गई और फैसला लिया गया कि अब स्कीम में शामिल खिलाड़ियों की संख्या कम की जाएगी।

टोक्यो ओलंपिक और पेरिस ओलंपिक के बीच टॉप्स के तहत 72 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यह पैसा ट्रेनिंग प्लान, जूते, सनग्लास, स्पीड कैमरा, कपड़े, खाना और फूड सप्लीमेंट पर खर्च किया गया था। भारतीय खिलाड़ी पेरिस से सिर्फ छह मेडल लेकर लौटे जिसमें एक सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज शामिल थे जबकि उम्मीद की जा रही थी कि इस बार संख्या दहाई का आंकड़ा छू लेगी।

कम हो जाएगी खिलाड़ियों की संख्या : इस समय 300 ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें इस स्कीम के कारण मदद मिलती है। एमओसी अब इस संख्या को आधा करने वाला है। फंडिंग की कमी को लेकर बात नहीं हुई। खिलाड़ियों को अब इस स्कीम में सिर्फ तब हिस्सा बनाया जाएगा जब वह मेडल के लिए चैलेंज दे पाएंगे। हालांकि कमेटी में शामिल कई पूर्व खिलाड़ी इससे सहमत नहीं है। उनका मानना है कि ऐसा होने पर कई खिलाड़ी बाहर हो जाएंगे।

खिलाड़ियों ने अब तक नहीं दिया खर्चे का ब्यौरा : 2028 ओलंपिक साइकिल के लिए जिन खिलाड़ियों को स्कीम में शामिल किया जाएगा उनकी मेडल के लिए जवाबदेही भी होगी। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक कई खिलाड़ियों ने अब तक अपने पुराने बिल नहीं दिए हैं जिसके कारण अब तक 10 करोड़ रुपए सेटल नहीं हो पाए हैं। रिटायर हो चुके खिलाड़ियों ने भी अपनी एक्सपेंस शीट नहीं दी है। सूत्र ने कहा, 'कई एथलीट्स ने रिटायर होने के बाद भी एक्सपेंस शीट नहीं दी है। हमें उनकी नियत पर शक नहीं है लेकिन जो पैसा दिया गया है उसे लेकर अकाउंट सेटल होना भी जरूरी है।'

एशियन गेम्स के लिए अलग स्कीम : कुछ समय पहले यह चर्चा भी की गई थी कि एशियन गेम्स के लिए अलग से पोडियम स्कीम तैयार की जाए। इसमें वह खिलाड़ी होंगे जो कि एशियन गेम्स में तो मेडल के दावेदार होंगे लेकिन ओलंपिक के लिए दावेदार नहीं है। पेरिस ओलंपिक के बाद अब एक बार फिर से इस स्कीम पर चर्चा शुरू हो गई है।